



बीकाणा पत्रिका



संरक्षक
परामर्श
प्रस्तुति

मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल कार्मिक अधिकारी

राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा

अपर मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल परिचालन प्रबंधक



बीकाणा पत्रिका



बीकानेर मंडल की उपलब्धियां - वर्ष 2023-24

बीकानेर मंडल पर संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और 2023-24 वर्ष परिणामी दुर्घटनामुक्त वर्ष रहा। व्यवसाय विकास ईकाई के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप सीमेंट लदान पुन 3 हुआ तथा गत वर्ष के प्रारम्भ : रैको की तुलना में सीमेंट के 9 मिनी रैक लदान किये गये।

मंडल ने 75% के लक्ष्य के मुकाबले 141.25% जंबो रिलीज और 144% के लक्ष्य के मुकाबले 219.39% बॉक्सएन रिलीज हासिल किया।

मंडल द्वारा वित्त वर्ष के (23 मई) 24-2023 सर्वश्रेष्ठ पीयू रिलीज प्रतिदिन औसतन 1152 वैगन की तुलना में माह दिसम्बर में सर्वश्रेष्ठ पीयू रिलीज प्रतिदिन औसतन 1213.5 वैगन का रिकॉर्ड प्राप्त किया जिसे इसी वर्ष पुनसुधार करते हुए फ : रवरी-2 4 के महीने में प्रतिदिन औसतन 1221.2 वैगनों का सर्वश्रेष्ठ पीयू रिलीज हासिल किया।

वर्ष के दौरान बीकानेर संभाग के 32 प्लेटफार्म पर उच्च स्तरीय प्लेटफार्म और विस्तार का कार्य पूरा किया जा चुका है।

वर्ष के दौरान बीकानेर संभाग में 9 लेवल क्रॉसिंग को बंद कर दिया गया है। 4) निर्माण 2+ जी एस यू 3+ ओपन लाइन।

वर्ष के दौरान बीकानेर संभाग में सामूहिक वृक्षारोपण 123100) पौधे किये गये तथा सभी पौधों की देखभाल (करने का संकल्प लिया।

वर्ष के दौरान बीकानेर संभाग में सेफ्टी, यू एस एफ डी परीक्षण, ए टी वेल्डिंग की गुणवत्ता में सुधार, ट्रैक वर्क प्रोग्रेस और पानी से संबंधित मुद्दों पर सभी मंडल अधिकारियों और फील्ड कर्मचारियों के साथ 6 सुरक्षा सेमिनार आयोजित किए गए हैं।

वर्ष के दौरान बीकानेर संभाग में 23-2022 की तुलना में 24-2023 में यू एस एफ डी परीक्षण के दौरान डिफेक्टिव वेल्ड का पता लगाने में कमी आई है जो संगठित वेल्डिंग कार्यशालाओं और नियमित परामर्श के , माध्यम से बेहतर वेल्डिंग गुणवत्ता का संकेत देता है।

वर्ष 24-2023 के दौरान बीकानेर मंडल पर डी टी एस 398- एवं डी टी एस 364- द्वारा 579.19 किलोमीटर ट्रैक का सुदृढीकरण किया गया है।

वर्ष 24-2023 के दौरान 1199.90 किलोमीटर ई आर सी की ग्रीसिंग की गई है।

वर्ष 24-2023 के दौरान 5459.80 किलोमीटर यू एस एफ डी परीक्षण किया गया है।

संरक्षक	मंडल रेल प्रबंधक	अपर मंडल रेल प्रबंधक
परामर्श	व. मंडल कार्मिक अधिकारी	व. मंडल परिचालन प्रबंधक
प्रस्तुति	राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा	



बीकाणा पत्रिका



बीकानेर मंडल की उपलब्धियां - वर्ष 2023-24

वर्ष 24-2023 के दौरान चिकित्सा विभाग द्वारा विशेष आयोजन एवं महत्वपूर्ण कार्य

- 89% से अधिक क्लीयरेंस वाले चिकित्सा प्रतिपूर्ति मामलों का 60 दिनों के भीतर समय पर निपटान सुनिश्चित किया गया है।
- संभागीय अस्पताल बीकानेर और संभाग की सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर कैशलेस जांच सुविधा 100% हासिल की गई।
- संभागीय अस्पताल, बीकानेर में 92.57% इन हाउस अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी और-85.49% एक्सरे - परीक्षण किए गए।
- 2% लक्ष्य के मुकाबले इस अवधि के दौरान प्राप्त प्रति प्रमाण पत्र में 1.50% मानव दिवस की हानि हुई।
- एचएमआईएस कार्यान्वयन मंडलीय अस्पताल में :100% उपलब्धि हासिल की गई और मंडल की सभी स्वास्थ्य इकाइयों में मॉड्यूल उपलब्ध कराए गए।
- संभागीय अस्पताल, बीकानेर में ओपीजी मशीन एवं एमएसके अल्ट्रासाउंड की शुरुआत की गई। इसी तरह संभागीय अस्पताल में यूएसजी गाइडेड ज्वाइंट एस्पिरेशन और टेंडन रिपेयर जैसी ऑर्थोपेडिक विशेष सर्जरी शुरू हुई।
- वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरस्कूलों, विभिन्न स्टेशनों, मंडल अस्पताल और विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में विभिन्न स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। वार्षिक शिविरों में 80.75% कर्मचारियों को शामिल करते हुए संभागीय कार्यालय, बीकानेर में मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया।
- स्कूलों, स्टेशनों, आरपीएफ बैरकों, विभिन्न कार्यस्थलों, मंडल अस्पताल और विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों और रेलवे कॉलोनियों में नियमित आधार पर विभिन्न विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए।

वित्त वर्ष 2023-24 की राजभाषा संबंधी कार्य एवं रिपोर्ट।

- मंडल पर दिनांक 14.09.23 से 29.09.23 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान 5 विभिन्न प्रतियोगिताएँ यथा हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता, हिन्दी वाक् प्रतियोगिता, वर्तनी एवं व्याकरण शुद्धि प्रतियोगिता तथा हिंदी प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को दिनांक 29.09.23 को आयोजित मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। इन सभी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर बड़ी संख्या में भाग लिया।-
सरकारी कामकाज रमूल रूप से हिंदी में करने के लिए इस वर्ष के लिए पुरस्का (ण व आलेखनटिप्प) योजना लागू है।

संरक्षक	मंडल रेल प्रबंधक	अपर मंडल रेल प्रबंधक
परामर्श	व. मंडल कार्मिक अधिकारी	व. मंडल परिचालन प्रबंधक
प्रस्तुति	राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा	



बीकाणा पत्रिका



कविताएं हमारे कर्मचारी साथियों की यहां प्रस्तुत हैं-

दिन वो सुहाने से पुराने याद आए हैं

न जाने क्यों अनजाने-पुराने से अफ़साने याद आ गए हैं
दिन वो सुहाने से पुराने याद आ गए हैं

छोटे-छोटे ख़्वाब थे, छोटे से थे हम छोटी सी ही बातों पर रो देते थे हम,
हमको मनाने वो बेग़ाने से याद आए हैं
जाने क्यों अनजाने-पुराने से अफ़साने याद आए हैं
दिन वो सुहाने से पुराने याद आए हैं

दादी की कहानी में खो जाते थे हम, दादी की ही गोद में सो जाते थे हम,
गुज़रे ज़माने के वो तराने याद आए हैं
जाने क्यों अनजाने-पुराने से अफ़साने याद आए हैं,
दिन वो सुहाने से पुराने याद आए हैं

खुशियों का गाँव था, ममता की छाँव में बारिशों की धार में छोटी मेरी नाव थी,
मीठे भुने मक्के के वो दाने याद आए हैं
जाने क्यों अनजाने-पुराने से अफ़साने याद आए हैं
दिन वो सुहाने से पुराने याद आए हैं

तपती थी धरा वो, न किसी से डरा
वो टनटन बजाते घण्टी को वो कुल्फ़ी वाले याद आये है,
जाने क्यों अनजाने-पुराने से अफ़साने याद आए हैं
दिन वो सुहाने से पुराने याद आए हैं

अपनों का साथ था, सर पे भी हाथ था, अपनेपन की बात थी, ठंडी रातों का, किसको आभास था बेहिसाबी
खुशी के वो खज़ाने याद आए हैं जाने क्यों अनजाने से फ़साने याद आए हैं
दिन वो सुहाने से पुराने याद आए हैं

रचनाकार-

जय नारायण पदनाम:- सहायक/ टीआरडी/ हनुमानगढ़

विभाग:- टीआरडी डिपो:-हनुमानगढ़ जंक्शन

मोबाइल नंबर:- 7742061913

संरक्षक
परामर्श
प्रस्तुति

मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल कार्मिक अधिकारी

राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा

अपर मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल परिचालन प्रबंधक



बीकाणा पत्रिका



शेर ओ शायरी

मैं अपने ज़ख्म दिखलाता मगर ये दिल नहीं माना, तुझे क्रांतिल मैं ठहराता मगर ये दिल नहीं माना
थे सब इल्ज़ाम मुझ पर और मैं अपनी सफ़ाई में तेरा भी ज़िक्र ले आता, मगर ये दिल नहीं माना
तेरे हाथों की वो महकी लिखावट मेरी दौलत थी, मैं तेरे ख़त न लौटाता मगर ये दिल नहीं माना
लगी थी दिल की बाज़ी चालें सब मेरे मुताबिक़ थीं, मैं उस से जीत भी जाता मगर ये दिल नहीं माना
ग़ज़ल वो, जिसमें तेरा ज़िक्र हर मिसरे में आता है, मैं सबके सामने गाता मगर ये दिल नहीं माना

**

जिस्म मेरा था मगर साया किसी और का था, मेरे चेहरे की जगह चेहरा किसी और का था
हो के इक शख्स का मैं होता रहा एक से दूर मैं किसी का था, मुझे होना किसी और का था
सबके हिस्से का मयस्सर था मैं सबको लेकिन मेरी हर साँस पे हक़ पहला किसी और का था
याद के शहर में पहचाने से दर पर मैंने दस्तकें दीं, प' वो दरवाज़ा किसी और का था
अबके पहले सी न थी लफ़्ज़ों में अशकों की नमी शे'र मेरा था मगर लहजा किसी और का था

**

दोस्त! अब मैं भी थक गया, मत कर बीती बातों का तज़िक़रा मत कर
आज ऐ दिल कोई ग़ज़ल मत छेड़ भर चुका ज़ख्म, फिर हरा मत कर
मुझको भी ग़म नहीं मुक़द्दर का तू भी तक्रदीर का गिला मत कर
लोग आँखों में नाम पढ़ लेंगे यूँ मेरा ज़िक्र हर जगह मत कर
ज़ेहन ने बार बार समझाया दिले नादान की सुना मत कर

**

जुदा हो जाने का ग़म भी अकेले काटना है तुम्हारे बिन ये मौसम भी अकेले काटना है
कहीं कोई तो होता जो मेरे मरने पे रोता मुझे मरने का मातम भी अकेले काटना है
अकेले काटनी है ज़र्द तपते दिन की खुशकी पिघलती रात का नम भी अकेले काटना है
मेरे हिस्से में अच्छा वक़्त यूँ भी है बहुत कम चलो कम है, प' ये कम भी अकेले काटना है
जुनून-ए-इश्क़ जब तारी था मैं तब भी था तन्हा और अब वहशत का आलम भी अकेले काटना है

**

था ख़्वाब टूट जाने का जो डर चला गया सिरहाने से वो ख़्वाब उठाकर चला गया
दरवाज़े पर उम्मीद से आँखें लगी रहीं वो फिर से मेरे शहर में आकर चला गया
फिर देर तक मचलते रहे हाथ लम्स1 को इक ख़्वाब मेरी पलकों को छूकर चला गया
छोड़ा जो उसने हाथ लकीरें ही मिट गई जैसे हथेलियों से मुक़द्दर चला गया
अब फिर नए बरस में नई आरज़ू करो एक और साल यूँ ही दिसम्बर चला गया

**

अमित गोस्वामी

कार्यालय अधीक्षक, कार्मिक शाखा मंडल कार्यालय, बीकानेर

9414324405, 7014601647

संरक्षक
परामर्श
प्रस्तुति

मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल कार्मिक अधिकारी

राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा

अपर मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल परिचालन प्रबंधक



बीकानेर पत्रिका



हजार हवेलियों का शहर बीकानेर पुस्तक की प्रस्तावना से-

बीकानेर राजस्थान के उत्तर पश्चिम में बसने थार के मरुस्थल का हृदय स्थल है। यह शहर अपनी सभ्यता संस्कृति कला साहित्य और स्थापत्य के कारण विशेष स्थान पाने का अधिकारी है। इस रेगिस्तान शहर के विशाल सीने पर जगह-जगह पटरी लाल पत्थर की कलात्मक हवेलियां स्थापत्य कला, कोरनी कला और मुख्य सौंदर्य के कारण दुनिया में अनूठी है।

यह हवेलियां पुराने बीकानेर शहर की गली-गली में बिखरी पड़ी है। कलात्मक पहलू से दृष्टिकोण से हवेलिया एक दूसरे से भिन्न है, अलग है। यह हवेलियां पत्थर की नक्काशी कलाम का सुनहरी कार्य लकड़ी पर सुंदर खुदाई और अपने स्थापत्य के कारण संपूर्ण रूप में एक सुंदर कलाकृति नजर आती है। जहां इनके निर्माण में विश्वकर्मा वंशजों (सुथारों) का योगदान है, वहीं आंतरिक व बाह्य साज सज्जा में नक्काशी का कार्य उस्ता व चुनगर कलाकारों ने किया है। इसके अलावा उन हजारों अनाम श्रमिकों का योगदान भी अविस्मरणीय है जिनकी जी-तोड़ मेहनत से यह विशाल महलनुमा हवेलियां वजूद में आ सकी हैं। व्यापारियों ने इन्हें बनवाया उन्हें भूलना कला के प्रति उनके ज्ञान उनका समर्पण उनके सौंदर्य परखने की क्षमता का अपमान करना होगा इन सेठों, उनकी आस्थाओं, उनकी रुचियों, उनकी बारीक नजर की छाप इन हवेलियों पर है और उन्हें एकरूपता में विविधता प्रदान करती हैं।

इन हवेलियों में सभी तरह की सुविधाएं हैं। हवा के आवागमन जल भंडारण वातानुकूलित कमरे भी इन हवेलियों की विशेषताएं हैं। यह हवेलियां दिल्ली में अन्य शहरों की हवेलियों से भी अलग है इनमें संभावित पवित्रता को ध्यान में रखते हुए शौचालय नहीं बनाए गए हैं। लेकिन एक छोटा सा मंदिर करीब हर हवेली में नजर आ ही जाएगा। शायद व्यवसाय में ईमानदारी बरतने की प्रेरणा प्राप्ति हेतु ऐसी व्यवस्था रखी गई होगी अथवा यह मंदिर आम भारतीयों की धार्मिक प्रवृत्ति प्रतिबंधित करते होंगे। यह हवेलियां रहने के लिए बनाई गई थी और आज भी अनेक हवेलियों में परिवार बसते हैं।

बीकानेर जैसे अकाल ग्रस्त मरुस्थलीय शहर में इस प्रकार के विशाल कलात्मक हवेलियां होना अपने आप में अचंभे की बात हो सकती है लेकिन यहां के मारवाड़ी व्यापारी बीकानेर से बाहर भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य शहरों (कोलकाता दिल्ली मुंबई गुवाहाटी लाहौर कराची ढाका आदि) में कमाने गए और अपनी बुद्धि लगन और मेहनत से पैसा कमाया और उसी पैसे से अपने शहर में यह शानदार हवेलियां निर्मित करवाई। विश्व प्रसिद्ध लेखक व विचारक एल्डुअस हक्सले ने भी लिखा है ये (मारवाड़ी सेठ) अपने रेगिस्तान से बाहर बड़े-बड़े शहरों में जाकर व्यापार करते हैं और कमाई लेकर मातृभूमि को लौट आते हैं इनमें कुछ बहुत धनी है और मेरा ख्याल है कि किसी अन्य शहर की तुलना में यहां ज्यादा लखपति हैं।

बीकानेर की हवेलियों के संबंध में भी आगे लिखते हैं – “बीकानेर इस रेतीली धरती थार का एक बड़ा शहर है। यहां की गलियां पक्की नहीं है किंतु साफ सुथरी है। गलियों की रेत इन पर गिरने वाले हर अशुद्धता को सोख लेती है। इन गलियों में नींव से लेकर चोटी तक के लाल खुले हुए पत्थर की बड़ी हवेलियां हैं। इनकी दीवारों पर आधुनिकतम घोटों, युद्धों, पुलों से गुजरती रेलगाड़ियों, जहाजों के चित्र बने हुए हैं। इन हवेलियों जैसी हवेलियां हमने किसी और शहर में नहीं देखी। यहां यह मारवाड़ी सेठों के महल है। यह भारत के यहूदी है” यह वाक्य मारवाड़ी व्यापारियों की कर्मठता का भी घोटक है और उनकी कृपणता का भी हर वर्णन समय सापेक्ष और अपूर्ण होता है।

इतना सब कुछ होते हुए भी बीकानेर की इन कलात्मक हवेलियों को वह स्थान नहीं मिल सका है, वो प्रसिद्ध नहीं मिली है जिसकी यह हवेलियां अधिकारी हैं। इसका कारण प्रचार प्रसार में समुचित कमी, सरकारी बेरुखी और हवेली स्वामियों की उदासीनता हो सकता है।

संरक्षक	मंडल रेल प्रबंधक	अपर मंडल रेल प्रबंधक
परामर्श	व. मंडल कार्मिक अधिकारी	व. मंडल परिचालन प्रबंधक
प्रस्तुति	राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा	



बीकानेर पत्रिका



बीकानेर ठहरा हुआ शहर है और आधुनिक प्रसारशैली से दूर पुराने मूल्यों में खोया रहता है। बीकानेर की हवेलियां हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर है और हमारी समृद्ध संस्कृति की जिंदा प्रतीक है। समुचित देखरेख के अभाव में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच रही है, जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। इनमें कुछ तो नष्ट होने के कगार पर खड़ी है। अगर इन हवेलियों का समुचित प्रचार प्रसार करके यह पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए तो बीकानेर देश का प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है जिससे यहां आम लोगों को रोजगार मिलेगा वहीं हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को भी नष्ट होने से बचाया जा सकेगा।

बीकानेर की कलात्मक हवेलियों पर कार्य करने में उन पर शोध करने का हमारा इरादा काफी पुराना था जिसे हमने 1997 ई से मूर्त रूप देना शुरू किया। इन हवेलियों का दुलमेरा के लाल पत्थर से बना एक अलग संसार है। इनकी जालियां, झरोखे, महाराबें, भित्ति चित्र सब एक अनोखे कलात्मक संसार के भाग हैं। अनेक हवेलियां अकाल के दिनों में रोजगार देने के लिए बनाई गई थी। इसलिए उनमें माटी की सुगंध है। इस मरुस्थल के हृदय बीकानेर में माटी की निश्चलता आज भी विद्यमान है। हर हवेली का अपना दिल होता है मोम-सा नाजुक। कहीं-कहीं वर्षों से साफ सफाई न होने के कारण अनेक हवेलियां रेतमय हो गई हैं। कबूतरों और चिड़ियों के शरण स्थल बन गई है। हक्सले ने जिस बीकानेर को 1936 ईस्वी में देखा था वह एशिया का सबसे साफ सुथरा शहर था। कुछ सूर्य भगवान की कृपा से और कुछ प्रशासन की सजगता से। आज हर हवेली की सुगंध को गली की बदबू पूरी तरह दबा चुकी है। यह टूटी-फूटी गलियां, बहती नदिया और उनसे निकलने वाली दुर्गंध बाहर खड़े होकर इन हवेलियों के सौंदर्य को ठीक से निहारने भी नहीं देती। हवेलियां गूंगी हैं, फिर भी बहुत कुछ कहती है।

हमारी इस पुस्तक का उद्देश्य बीकानेर की इन कलात्मक हवेलियों के स्थापत्य, इनमें की गई पत्थर के जीवन्त नक्काशी, गोल्डन वर्क, लकड़ी पर खुदाई का कार्य, इनका निर्माण व उससे जुड़ी घटनाओं, कलाकारों व हवेली स्वामियों की विशेषताओं और सेवाओं को आम पाठक के सामने रखना है। इस बहुमूल्य विरासत को बचाने का कोई कानून नहीं है। यह हवेलियां हर साल टूट फुट कर बाजार में बिक रही है। पिछले कुछ सालों से यह कई कार्य ज्यादा तेजी से हो रहा है। एक-एक हवेली का मुखड़ा अंत में जाकर करोड़ों में बिकता है निर्यात होता है। इनकी संख्या 3000 से अब 1000 ही रह गई है। यह हवेली ऐसी बहुमूल्य धरोहर है जिसको मिटने से हर कीमत पर रोका जाना चाहिए। यह पुस्तक इस पुनीत कार्य में सहायक होगी ऐसा हमारा विश्वास है।



संरक्षक
परामर्श
प्रस्तुति

मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल कार्मिक अधिकारी

राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा

अपर मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल परिचालन प्रबंधक



बीकाणा पत्रिका



खेलकूद समाचार

लालगढ़ में फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण बीकानेर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा करवाया जा रहा है शीघ्र ही लालगढ़ में फुटबॉल एकेडमी को शुरू किया जाएगा।

बीकानेर मंडल की कुशती खिलाड़ी कु किरण ने चाईना में आयोजित 19 वे एशियन गेम में कांस्य पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया।



डी आर एम कप आयोजन

दिनांक 17.02.24 से 03.03.24 तक डी आर एम कप 2024 का आयोजन किया गया जिसमें बीकानेर मंडल की सभी खेलों की टीमों ने भाग लिया व कार्यशाला लालगढ़ की टीम आल ओवर प्रतियोगिता का खिताब जीता। वर्तमान में डी पी एल क्रिकेट कप का आयोजन दिनांक 10.3.24 से 17.3.24 तक किया गया जिसमें बीकानेर मंडल की टीम विजेता रही व मैच ऑफ दी मैच गौरव खत्री रहा, उक्त प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51000/- का नकद पुरस्कार दिया गया।

बीकानेर डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन वर्तमान में कई प्रकार की अकादमी का संचालन कर रही है जिसमें क्रिकेट बैडमिंटन बास्केटबॉल और शीघ्र ही लॉन टेनिस अकादमी को भी शुरू किया जाएगा वर्तमान में रेलवे कर्मचारियों के लिए आधुनिक जिम का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आशीष कुमार के द्वारा किया गया जिसमें रेल कर्मचारी व्यायाम लाभ ले रहे हैं।

दिनांक 29 व 30.03.24 को अधिकारी वार्षिक स्पोर्ट्स मीट जयपुर में आयोजित हुई जिसमें आल ओवर प्रतियोगिता में बीकानेर मंडल की टीम उप विजेता रही।



संरक्षक
परामर्श
प्रस्तुति

मंडल रेल प्रबंधक
व. मंडल कार्मिक अधिकारी
राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा

अपर मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल परिचालन प्रबंधक



बीकाणा पत्रिका



खेलकूद के उत्कृष्ट प्रदर्शन :

वर्ष के दौरान मंडल के खिलाड़ियों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया और स्वर्ण पदक जीत कर रेलवे और मंडल को सम्मानित एवं कांस्य , प्रदान किया गया ।

स्वर्ण विजेता खिलाड़ी

क्र सं	खिलाड़ी का नाम	खेल	श्रेणी	खेल प्रतिस्पर्धाओं के नाम	पदक
1	सुश्री रीमा कुमारी	पावर लिफ्टिंग	47 किग्रा	19वीं पुरुष & 13वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप/काशीपुर	स्वर्ण
2	सुश्री रेखा आचार्य	पावरलिफ्टिंग	69 किग्रा	19वीं पुरुष & 13वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप/काशीपुर	स्वर्ण
3	सुश्री मोनिका जाट	साइकिलिंग	20 किमी टाइम ट्रायल	60 वीं अखिल भारतीय रेलवे रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप/बीकानेर	स्वर्ण
4	श्री नवीन	कुश्ती	फ्री स्टाइल	64वीं अखिल भारतीय रेलवे कुश्ती चैंपियनशिप/आगरा	स्वर्ण
5	सुश्री नूपुर	बॉक्सिंग	84+किग्रा	7वीं एलीट महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप/नोएडा	स्वर्ण
6	सुश्री मोनिका जाट	साइकिलिंग	20 किमी टाइम ट्रायल	28वीं सीनियर राष्ट्रीय सड़क साइकिलिंग चैंपियनशिप/विजयपुर	स्वर्ण
7	सुश्री मोनिका जाट	साइकिलिंग	मिक्स टीम इवेंट	28वीं सीनियर राष्ट्रीय सड़क साइकिलिंग चैंपियनशिप/विजयपुर	स्वर्ण
8	सुश्री निशा	कुश्ती	68 किग्रा	सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप/जयपुर	स्वर्ण
9	श्री कुलदीप	कुश्ती	72 किग्रा	सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप/जयपुर	स्वर्ण



संरक्षक
परामर्श
प्रस्तुति

मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल कार्मिक अधिकारी

राजभाषा अधिकारी तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा

अपर मंडल रेल प्रबंधक

व. मंडल परिचालन प्रबंधक